।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

राम चमकते भानु समाना

आमंत्रण-पत्र

बैठक क्रमांक : 1/वर्ष 2023-25 **दिनांक : 03 अक्टूबर 2024**

आम सभा

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति की सत्र 2023–25 की वार्षिक आम सभा श्री अ.भा. सा. जैन महिला समिति की गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी मेहता की अध्यक्षता में 03 अक्टूबर 2024, गुरुवार सायं 08:30 से भीलवाड़ा (मेवाड़) में आयोजित होनी प्रस्तावित है। महिला समिति के समस्त शीर्षपदाधिकारी, पूर्व रा. अध्यक्षा–महामंत्री, सभी अंचलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिकाएं, कार्यसमिति सदस्याएं, संभाग–प्रमुखा, विशेष आमंत्रित सदस्याएं, संरक्षक सदस्याएं, विशेष सदस्याएं, साधारण–आजीवन सदस्याएं सादर आमंत्रित हैं। **आप सभी से निवेदन है कि सभी केसरिया गणवेश में पधारें।**

:: कार्यसूची ::

1. मंगलाचरण एवं संकल्पसूत्र वाचन।
2. विगत वार्षिक आमसभा (दिनांक 15 अक्टूबर, नीमच में आयोजित) के कार्यवृत्त की स्वीकृति एवं अनुमोदना।
3. अध्यक्षा की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
4. राष्ट्रीय अध्यक्षा उद्‌बोधन।
5. संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।
6. 4 लोगस्स का ध्यान।

कृपया अवश्य पधारें।

::: विनीत :::

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

बैठक स्थल : - भीलवाड़ा (मेवाड़)

विशेष : बैठक में प्रतिभागिता के सुअवसर के अलावा आपको अत्र विराजित शास्त्रज्ञ, तरूणतपस्वी, प्रशांतमना, नानेश पट्टधर पूज्य आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. व बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. व आज्ञानुवर्ती संत/सतिया जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन, वंदन, प्रवचन का लाभ सहज ही प्राप्त होगा।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

विगत वार्षिक आम सभा

कालावधि	:	**2021–23**	**बैठक क्रमांक**	:	**3**
दिनांक	:	**15 अक्टूबर 2023**	**समय**	:	**सायं 08:15 बजे से**
प्रतिभागी सदस्य	:	**200 (लगभग)**	**सुगमकर्ता**	:	**राष्ट्रीय महामंत्री**
बैठक स्थल	:	**होटल मंगलम्, नीमच (म.प्र.)**			

विशेष आमसभा कार्यवृत्त के मुख्य बिन्दु

वार्षिक आमसभा बैठक की शुरुआत तरुण तपस्वी, प्रशांतमना, उत्क्रांति प्रणेता आचार्य श्री रामलालजी म.सा., बहुश्रुत वाचानाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनि जी म.सा. एवं सभी चारित्र आत्माओं के चरणों में वंदन करते हुए मंगलाचरण से की गई। मीटिंग का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती सुमन जी सुराणा द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्षा द्वारा सदन को साधुमार्गी संकल्प सूत्र का वाचन करवाया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री जी ने सभा को संबोधित करते हुए सदन से विगत आमसभा मीटिंग की रिपोर्ट की स्वीकृति प्राप्त की गई।

राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा नीमच संघ से पधारे हुए सदस्यों का अभिनंदन किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्षा जी द्वारा सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने निवेदन किया कि जो कार्य हुआ है वह महिला समिति की आजीवन सदस्याओं के द्वारा संपन्न हुआ है। पद किसी के पास आज है कल नहीं है परंतु एक श्राविका का पद हमेशा रहता है और श्राविका के रूप में संध विकास में कार्य करने, सभी प्रवृत्तियों को स्थानीय स्तर पर सुचारू रूप संचालन करने का आग्रह किया। आगे उन्होंने **आगामी सत्र 2023–25** के लिए श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के **राष्ट्रीय महामंत्री पद** के लिए **श्रीमती स्नेहलता जी कोठारी, कोलकाता** एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा पद के लिए **श्रीमती चंदा जी खुरदिया, मुंबई** के नाम का मनोनयन किया गया। साथ ही राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाएं एवं प्रत्येक अंचल के नव–निर्वाचित उपाध्यक्ष–मंत्री का मनोनयन किया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा, वर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री, कोषाध्यक्षा एवं सभा द्वारा मनोनयन प्रक्रिया में चयनित होने वाले सभी पदाधिकारीयों को हार्दिक बधाई दी।

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति
(श्री अ. भा. सा. जैन संघ)

प्रवृत्तियां

संगठन

हो Communication हमारा-तुम्हारा
तो Connection बढ़े हमारा ।।

जिस प्रकार अक्षर से अक्षर मिला शब्द और शब्दों से वाक्य व वाक्यों से वक्तव्य इसी प्रकार संघ संगठन को मजबूत करने का एक प्रयास हमारा भी रहे।

स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री एवं संगठन संयोजिकाओं से निवेदन है कि अपने–अपने क्षेत्र में हर 3 कि.मी की दूरी में हर सप्ताहिक/पाक्षिक मंडल लगवाये जाए अगर गांव या शहर 7 कि.मी. से अधिक है तो। उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

संगठन का मूल उद्देश्य –

अ) आजीवन सदस्य बनाना। (श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की सदस्यता)
ब) स्थानीय स्तर पर मंडल लगवाना। (दैनिक, साप्ताहिक एवं पाक्षिक)
स) नव वधुओं का स्वागत।
द) जिस स्थानीय स्तर पर मंडल का गठन नहीं है उस स्थान पर मंडल का गठन करना एवं जहां 10 सदस्याओं से कम हो वहां प्रतिनिधि का चयन करना।

संगठन से संबंधित नियमावली :

1. मंडल की शुरुआत एक नवकार मंत्र से करना।
2. मंडल में Talent वाइज स्वाध्याय, थोकड़ा, भजन, प्रश्नोत्तरी, वक्तव्य कला एवं लेखन आदि की प्रतियोगिताओं के माध्यम से संचालन किया जाए।
3. संघ की रीति–नीति, नियम एवं धारणाओं की जानकारी।
4. वंदना के पश्चात् दो लाईन संघ समर्पणा गीत।
5. मंगल पाठ एवं एक छोटा–सा प्रत्याख्यान।
6. शुद्ध सामायिक (बिना लाईट और बिना सैल की घड़ी के) या संवर (दोनों में से एक जरूरी)।
7. चारित्र आत्माएं विराजित हो उनके सानिध्य में मंडल लगे।
8. धोवन पानी की पूरजोर प्रभावना की जाए।

विशेष आग्रह

9. श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेश में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो।
10. स्थानीय मंडल की चयन प्रक्रिया का आमसभा में होना अनिवार्य है एवं आमसभा की रिपोर्ट अध्यक्ष/मंत्री के नाम सहित केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर में भेजना अनिवार्य है।
11. संगठन की सभी संयोजिकाओं से निवेदन है कि एक से अधिक मंडल लगते हैं तो स्थानीय स्तर पर अपनी टीम बना लेवें।
12. स्थानक की सार संभाल –
    a. स्थानक में किसी प्रकार का (श्रावक/श्राविका) चित्र नहीं होना चाहिए।
    b. स्थानक में जीवों की रक्षा/सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए (जाले नहीं होना)।
    c. स्थानक में रखी गई पुस्तकों का समय–समय पर प्रतिलेखन होना आवश्यक है।
    d. स्थानक में नियमित रूप से सामूहिक धर्म आराधना का लक्ष्य रखना।

पाठ्यक्रम-

स्थानीय क्षेत्र अपनी-अपनी अनुकूलता के अनुसार अखिल भारतवर्षीय स्तर पर महत्तम महोत्सव के अंतर्गत संचालित आयामों के अनुसार अपने-अपने अध्ययन का लक्ष्य रखे।

केसरिया कार्यशाला

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति का एक सुदृढ़ प्रयास...

केसरिया कार्यशाला जिसका ध्येय है...

एक आलौकिक संघ। एक अनोखा गणवेश। एक अनूठा कार्य। हर मंडल में। हर जगह...

आगम की अमृत वाणी को कार्य के माध्यम से सरलता से हर मंडल को एक सूत्र में बांध रहा है। 6 वर्ष में अभी प्रयास जारी है हर बार नये क्षेत्रों को धर्म से और संघ से जोड़ने का।

युवती शक्ति – श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत हमारे संघ की 12 वर्ष से अधिक अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति एक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सिंचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अदभुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

A) Discover the Incredible you – (18 Years above)
B) Discover the Incredible you – 2 (12-17 Years)
C) **गठबंधन**

मोटिवेशनल फोरम – एक प्रोफेशनल व्यक्ति हर कार्य में निपूर्ण हो सकता है और कामयाबी के किसी भी शिखर को छू सकता है, पर जब तक उसमें गुरु के प्रति श्रद्धा और अध्यात्मिकता का विकास नहीं, उसका जीवन अपूर्ण है। इस फोरम से जुड़ी हुई महिलाओं के अध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर, उनके व्यक्तित्व की पूर्णता में सहयोग करना ही इस फोरम का मुख्य उद्धेश्य है।

वुमन मोटिवेशनल फोरम प्रवृति का मूल उद्देश्य है– साधुमार्गी परिवार की महिला प्रोफेशनल का एक मंच तैयार करना। साधुमार्गी परिवार की महिलाएँ जो सी.ए, एम.बी.ए., डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, आई.ए.एस., पोस्ट ग्रेजुएट आदि डिग्री के स्तर पर शिक्षित है, भले वर्तमान में वे इन डिग्री का उपयोग नहीं कर पा रहे हों, वे सभी इसी श्रेणी में मान्य होंगे।

A) **भ्रूणहत्या त्याग संकल्प-पत्र** - भ्रूणहत्या त्याग संकल्प–पत्र सभी के द्वारा भरना/भरवाना।

परिवारांजलि – पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना। स्टीकर्स पेस्टिंग के लिए प्रेरित करना।

सर्वधर्मी सहयोग – "खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं" इस मूलमंत्र को आत्मसात् करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरनतर गतिशील है।

समता छात्रवृत्ति – हमारे समाज के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्त्वाधान में कक्षा 1 से लेकर 12 तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

अन्य :

धार्मिक शिक्षण शिविर – मिटिंग के दौरान स्थानीय स्तर अधिक से अधिक शिविर लगाने की प्रेरणा करना।

महिला स्वाध्यायी – स्वाध्यायी सेवा देने के लिए अधिक से अधिक बहनों को प्रेरित करना।

धार्मिक परीक्षा – अंचल के क्षेत्रों में अधिक से अधिक बहनों को धार्मिक परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना। जैन संस्कार पाठ्यक्रम, कर्म प्रज्ञप्ति, महत्तम महोत्सव के अंतर्गत आयोजित परीक्षाओं से स्वयं को जोड़ना और सभी को जोड़ने का लक्ष्य रखना।

श्रमणोपासक – स्थानीय गतिविधियों की रिपोर्ट श्रमणोपासक में देने के लिए समय पर रिपोर्टिंग की प्रेरणा करना।

रिपोर्टिंग सिस्टम – स्थानीय, आंचलिक एवं राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाओं द्वारा अपने–अपने स्थानीय, आंचलिक, राष्ट्रीय स्तर पर हुए कार्य का प्रति 4 माह का विवरण गूगल फॉर्म द्वारा देने की प्रेरणा देना।

उच्च शिक्षा योजना – आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. उच्च शिक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा योजना से लाभान्वित होने के लिए श्री संघ द्वारा ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है।

प्रतिक्रमण – अशुभ योग को त्यागकर पुनः शुभ योग में जाना प्रतिक्रमण है। प्रतिक्रमण साधक के लिए निर्जरा का प्रबल कारक है। मोक्षगामी की राह पर चलने की पहली सीढ़ी प्रतिक्रमण है। **अतः सभी को प्रतिक्रमण कंठस्थ करना/करवाना। ऐसा ध्येय है कि संपूर्ण महिला समिति प्रतिक्रमण युक्त हो।**

स्वर्ण–कुंभ – 24–25 अगस्त 2024, भीलवाड़ा (2 दिवसीय आवासीय शिविर)

सावन–भादो की रिमझिम फुहार,

चारित्र आत्माओं से ज्ञान की बौछार,

हमारे पुण्य का उदय और हमारी निर्जरा की बहार

भीलवाड़ा की पावन धरा पर **दिनांक 24–25 अगस्त को श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति** द्वारा **''स्वर्ण कुंभ'' दो दिवसीय आवासीय शिविर** सहर्ष संपन्न हुआ।

शिविर का रजिस्ट्रेशन 24 अगस्त सुबह 6:30 बजे से आरंभ हुआ 48 वर्ष से कम आयु की 525 श्राविकाओं ने बैज के माध्यम से अपना पंजीकरण करवाया गया। शिविर के दौरान आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर एवं चारित्र आत्माओं का सान्निध्य प्राप्त हुआ। स्वर्णिका – भक्ति की सुनहरी गूँज से संपूर्ण सभा स्थल भक्तिमय हो गया।

महत्तम शिखर वर्ष (09 फरवरी 2025 तक) – परम् पूज्य आचार्य भगवन् 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के संयम जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। आचार्य श्री ने दीक्षा के बाद का जीवन उत्कृष्ट संयम का पालन करते हुए साधुमार्गी संघ के भव्य जीवों के उत्थान हेतु समर्पित किया है।

महत्तम महोत्सव अर्थात् अपने आपको ज्ञान, दर्शन, चारित्र से पुष्ट करने का सुअवसर। अपने आपको तपाने का खास अवसर। स्वाध्याय, तप–त्याग आदि के द्वारा अपने कषायों को कम करके कर्म निर्जरा करने का सुयोग। आचार्य श्री के गुणों को जन–जन तक पहुंचाने का सुनहरा अवसर। गुरु के गुणानुवाद में लीन होने का समय।

गुरु के प्रति हमारा भी कुछ कर्तव्य होता है। अपने कर्तव्य को पूरा करने का हमारे लिए है खास समय। गुरु के प्रति श्रद्धा एवं समर्पणा व्यक्त करने का यह सुअवसर उपलब्ध करा रहा है गुरुदेव के दीक्षा के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित होने वाला आचार्य 'श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव' को महत्तम शिखर वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत सभी आयु वर्ग के श्रावक–श्राविकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

यह महोत्सव शुरु हो चुका है और फरवरी 2025 तक मनाया जाएगा। इस दौरान 9 तरह के कार्यक्रम सम्पन्न कर आचार्य श्री को गुरु के प्रति समर्पणा हेतु एक छोटा सा प्रयास किया जा रहा है। आप इनमें से किसी भी तरीके से जुड़कर आराध्य भगवन् को आध्यात्मिक भेंट प्रदान कर सकते हैं। जितने अधिक तरीकों से जुड़ेंगे उतना ही आपके जीवन के लिए बेहतर होगा।

अभिरामम् – ये हमारे आचार्य भगवन् की सुंदरतम् जीवन गाथा है। इस पुस्तक को प्रारम्भ से अंत तक संपूर्ण आस्था के साथ यदि एक बार पढ़ जाएं तो हम अपने क्षेत्र में आगे बढ़ना, चुनौतियों को झेलने की क्षमता, असफलताओं में भी ऊर्जावान बने रहना, सोचने के तरीकों को तराशना आदि गुणों में परिपक्व होते जाएंगे।

अभिरामम् प्रस्तुत करते हैं – **AAनंदम्** जो कि प्रत्येक आयु वर्ग के लिए अनेकानेक गतिविधियाँ लेकर आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

प्रतियोगिता के दौरान विजेताओं को **25 लाख रुपए** तक की धनराशि प्रदान की जाएगी।

|| जय महावीर ||

|| जय गुरु नाना || || जय गुरु राम ||

राम चमकते भानु समाना

महत्तम महोत्सव

आचार्य श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महामहोत्सव

अंतर्गत श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

महत्तम शिखर वर्ष

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ)

हु शि उ चौ श्री ज ग ना ना

पिय धम्मा दढ धम्मा

राम चमक रहे भानु समाना

महिला समिति

के अंतर्गत

प्रवृत्तियों की

संक्षिप्त जानकारी

प्रवृत्तियाँ

संगठन

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत संगठन प्रवृत्ति निरंतर गतिमान है। जिसका उद्देश्य देश–विदेश के समस्त साधुमार्गी महिलाओं को संघ सदस्यता से जोड़ना है। यदि क्षेत्र 7 कि.मी. से अधिक है तो स्थानीय स्तर पर प्रत्येक 3 कि.मी. की दूरी पर मंडल लगाना।

उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

अ) आजीवन सदस्य बनाना। (श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की सदस्यता)

ब) स्थानीय स्तर पर मंडल लगवाना। (दैनिक, साप्ताहिक एवं पाक्षिक)

स) नव वधुओं का स्वागत।

द) जिस स्थानीय स्तर पर मंडल का गठन नहीं है उस स्थान पर मंडल का गठन करना एवं जहां 10 सदस्याओं से कम हो वहां प्रतिनिधि का चयन करना।

केसरिया कार्यशाला

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति का एक सुदृढ़ प्रयास...केसरिया कार्यशाला जिसका ध्येय है... एक आलौकिक संघ। एक अनोखा गणवेश। एक अनूठा कार्य! हर मंडल में। हर जगह... आगम की अमृत वाणी को कार्य, रोचक गतिविधि के माध्यम से सरलता से हर मंडल को एक सूत्र में बांध रहा है। 6 वर्ष में भी नए–नए क्षेत्रों को धर्म एवं संघ से जोड़ना एवं प्रत्येक श्रावक –श्राविका के आध्यात्मिक विकास में सहयोगी बनने का प्रयास जारी है।

युवती शक्ति

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत हमारे संघ की 12 वर्ष से ऊपर अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति नामक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है– हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सींचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अद्भुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

Discover the Incredible You (स्वयं की खोज) (Part - 1st – आयु सीमा – 18 वर्ष से अधिक, Part - 2nd – 12 से 17 वर्ष) – यह कोर्स 3 लेवल में विभाजित है जिसका उद्देश्य भीतर छिपी Strength, Awareness को पहचानते हुए आगे बढ़ना है।

गठबंधन...– इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवतियाँ जिनकी सगाई हो चुकी है अथवा जो इस पड़ाव पर है उनके लिए Communication Trust, Anger and Patience जैसे विषयों को बहुत ही रोचक तरीके से एवं कहानियों के माध्यम से समझाया जाता है।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्कैन करें।

वुमन मोटिवेशनल फोरम

साधुमार्गी परिवार की युवती एवं महिला जो पोस्ट ग्रेजुएट अथवा सीए, एमबीए, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, आईएएस आदि डिग्री के स्तर पर शिक्षित हैं वर्तमान में वे डिग्री का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं तो भी इस श्रेणी में मान्य होंगे। प्रोफेशनल्स को व्यवहारिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिकता से जोड़कर सर्वांगीण विकास का प्रयास किया जाता है। वुमन मोटिवेशनल फोरम प्रवृत्ति का मूल उद्देश्य है– साधुमार्गी परिवार की प्रोफेशनल्स का एक मंच तैयार करना एवं इनसे जुड़े हुए सदस्यों में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर उनके व्यक्तित्व की पूर्णता में सहयोग करना।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्कैन करें।

परिवारांजलि

स्टीकर्स के माध्यम से ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्कैन करें।

सर्वधर्मी सहयोग

खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं' इस मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरनतर गतिशील है। जिसके अंतर्गत जरुरतमंद साधुमार्गी परिवारों को सहायता राशि प्रदान करना।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्कैन करें।

समता छात्रवृत्ति

हमारे संघ के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्वाधान में कक्षा 1–12 तक के बच्चों को छात्रवृति प्रदान की जाती है।

कक्षा - 01 से 10 | कक्षा - 11 से 12

अन्य

समता सेवा सोसायटी

आर्थिक आत्मनिर्भरता संसार में सभी सुखों की कुंजी है। महिला समिति द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों को स्वावलंबी बनाने के लिए गृहउद्योग योजना चलाई जा रही है। रतलाम (म.प्र.) के श्री जैन महिला गृहउद्योग के अंतर्गत संचालित मसाला विभाग तथा पापड़ उद्योग द्वारा कई परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

परिवारांजलि

स्टीकर्स के माध्यम से ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्कैन करें।

सर्वधर्मी सहयोग

खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं' इस मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरनतर गतिशील है। जिसके अंतर्गत जरुरतमंद साधुमार्गी परिवारों को सहायता राशि प्रदान करना।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए स्कैन करें।

समता छात्रवृत्ति

हमारे संघ के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्वाधान में कक्षा 1–12 तक के बच्चों को छात्रवृति प्रदान की जाती है।

कक्षा - 01 से 10 | कक्षा - 11 से 12

अन्य

समता सेवा सोसायटी

आर्थिक आत्मनिर्भरता संसार में सभी सुखों की कुंजी है। महिला समिति द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों को स्वावलंबी बनाने के लिए गृहउद्योग योजना चलाई जा रही है। रतलाम (म.प्र.) के श्री जैन महिला गृहउद्योग के अंतर्गत संचालित मसाला विभाग तथा पापड़ उद्योग द्वारा कई परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

गोल्डन स्टेप्स

सुसंस्कृत एवं संस्कारवान घर, परिवार, समाज के निर्माण हेतु गोल्डन स्टेप्स वर्कशॉप का आयोजन किया जाता है जिसमें भावी माताओं को अलग–अलग कार्यक्रमों के माध्यम से उचित दिशा बोध दिया जाता है। इस कार्यक्रम के सभी वर्कशॉप ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों प्रकार से सम्पादित किये जाते हैं।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेश में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो। यह गणवेश हमारे संघ के सभी धार्मिक, सामाजिक एवं सामुहिक रूप से आयोजित समारोह में आवश्यक रूप से पहनें।

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति

Helpline Number - 63756 33109